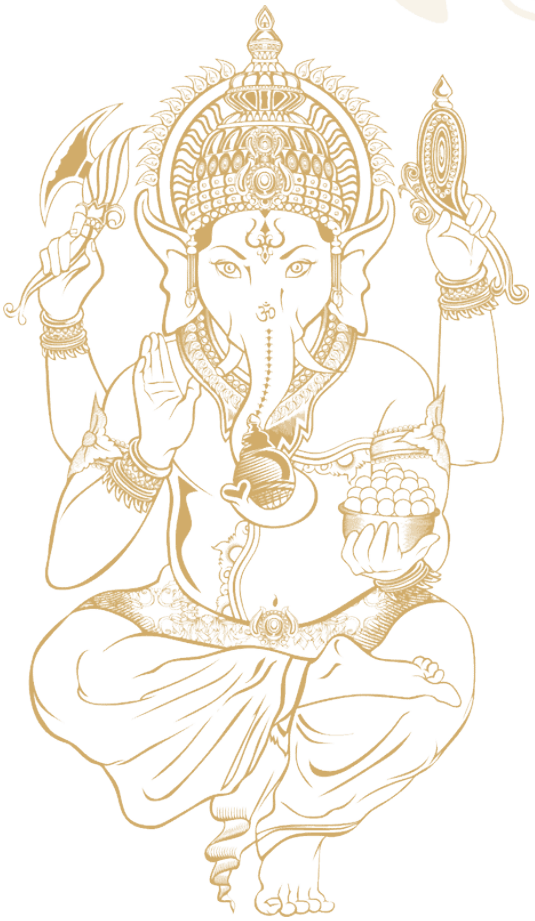

Mss

27 Apr 2016

01:30 PM

Allahabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 119919304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/04/2016**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**13:30:00 घंटे**
इष्ट	20:00:56 घटी
स्थान	**Allahabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	81:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:27:20 घंटे
वेलान्तर	00:02:24 घंटे
साम्पातिक काल	03:50:18 घंटे
सूर्योदय	05:29:37 घंटे
सूर्यास्त	18:31:21 घंटे
दिनमान	13:01:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:24:20 मेष
लग्न के अंश	06:49:25 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	06:49:25	319:47:03	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			मेष	13:24:20	00:58:20	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			धनु	10:06:10	12:26:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	14:13:01	00:07:24	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध			मेष	29:25:46	00:07:42	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	19:23:58	00:02:14	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	02:36:02	01:13:56	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	21:27:46	00:02:59	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	26:31:01	00:05:57	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	26:31:01	00:05:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	27:21:20	00:03:20	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	---
नेप			कुंभ	17:21:20	00:01:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	23:22:52	00:00:16	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			वृष	05:40:46	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:02

लग्न-चलित

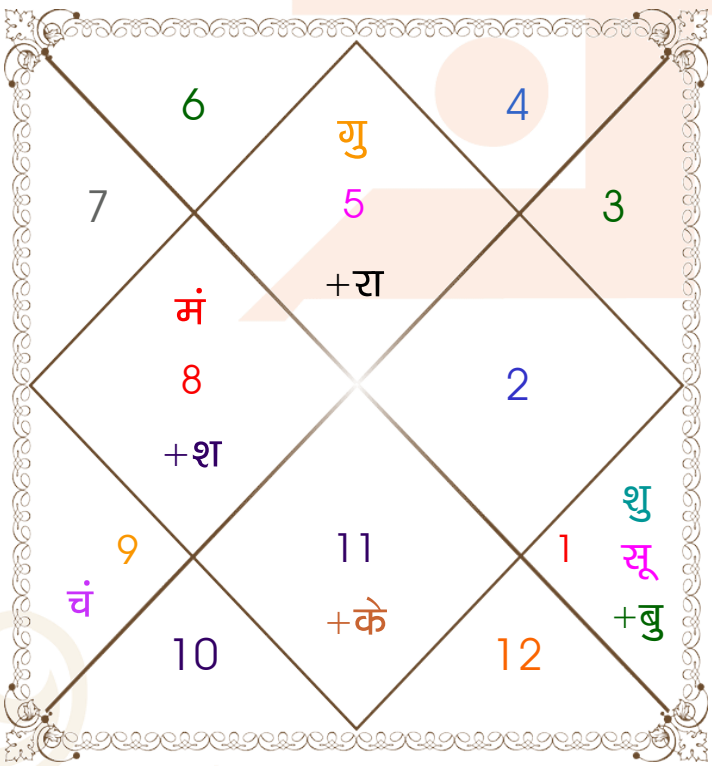

चन्द्र कुंडली

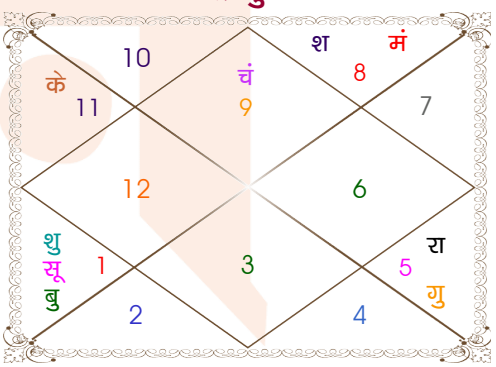

नवमांश कुंडली

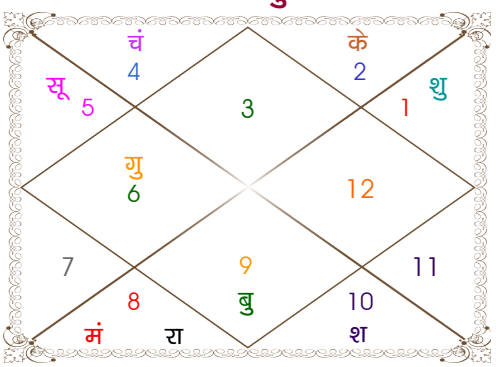

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 8 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/04/2016		07/01/2018		07/01/2038		07/01/2044		07/01/2054	
07/01/2018		07/01/2038		07/01/2044		07/01/2054		06/01/2061	
	00/00/0000	शुक्र	08/05/2021	सूर्य	26/04/2038	चंद्र	06/11/2044	मंगल	05/06/2054
	00/00/0000	सूर्य	08/05/2022	चंद्र	26/10/2038	मंगल	07/06/2045	राहु	23/06/2055
	00/00/0000	चंद्र	07/01/2024	मंगल	03/03/2039	राहु	07/12/2046	गुरु	29/05/2056
	00/00/0000	मंगल	08/03/2025	राहु	25/01/2040	गुरु	07/04/2048	शनि	08/07/2057
	00/00/0000	राहु	08/03/2028	गुरु	13/11/2040	शनि	07/11/2049	बुध	05/07/2058
	00/00/0000	गुरु	07/11/2030	शनि	26/10/2041	बुध	08/04/2051	केतु	01/12/2058
	27/04/2016	शनि	07/01/2034	बुध	01/09/2042	केतु	07/11/2051	शुक्र	31/01/2060
शनि	09/01/2017	बुध	06/11/2036	केतु	07/01/2043	शुक्र	08/07/2053	सूर्य	07/06/2060
बुध	07/01/2018	केतु	07/01/2038	शुक्र	07/01/2044	सूर्य	07/01/2054	चंद्र	06/01/2061

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/01/2061		07/01/2079		07/01/2095		08/01/2114		08/01/2131	
07/01/2079		07/01/2095		08/01/2114		08/01/2131		00/00/0000	
राहु	19/09/2063	गुरु	24/02/2081	शनि	10/01/2098	बुध	05/06/2116	केतु	06/06/2131
गुरु	12/02/2066	शनि	07/09/2083	बुध	20/09/2100	केतु	02/06/2117	शुक्र	05/08/2132
शनि	19/12/2068	बुध	13/12/2085	केतु	30/10/2101	शुक्र	02/04/2120	सूर्य	11/12/2132
बुध	08/07/2071	केतु	19/11/2086	शुक्र	29/12/2104	सूर्य	07/02/2121	चंद्र	12/07/2133
केतु	26/07/2072	शुक्र	20/07/2089	सूर्य	11/12/2105	चंद्र	09/07/2122	मंगल	08/12/2133
शुक्र	27/07/2075	सूर्य	08/05/2090	चंद्र	12/07/2107	मंगल	06/07/2123	राहु	27/12/2134
सूर्य	19/06/2076	चंद्र	07/09/2091	मंगल	20/08/2108	राहु	23/01/2126	गुरु	03/12/2135
चंद्र	19/12/2077	मंगल	13/08/2092	राहु	27/06/2111	गुरु	30/04/2128	शनि	28/04/2136
मंगल	07/01/2079	राहु	07/01/2095	गुरु	08/01/2114	शनि	08/01/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com